3 शेखचिल्ली का सपना

हास्यकथा

पाठ चर्चा : बच्चो! परिश्रम करने से ही कार्य संपन्न होता है। हाथ-पर-हाथ रखकर बैठे रहने वालों तथा सपने देखते रहने वालों का क्या हाल होता है? आओ, इस हास्यकथा को पढ़कर जानें...।

एक दिन शेखचिल्ली की अम्मी ने उससे कहा, "बेटा! अब तुम बड़े हो गए हो। तुम्हें कुछ काम-धंधा करना चाहिए।" शेखचिल्ली बोला, "लेकिन मुझे तो कोई भी काम नहीं आता।" अम्मी बोलीं, "बेटा, कुछ न कुछ तो तुम्हें करना ही होगा।"

शेखचिल्ली मेहनत से नहीं घबराता था, मगर ख़्याली पुलाव बहुत बनाता था। मस्ती में झूमता हुआ वह बाहर निकल पड़ा। रास्ते में एक सेठ अंडों का टोकरा पकड़े परेशान हालत में खड़ा था। उसने शेखचिल्ली को देखते ही कहा, "ऐ भाई! इस टोकरे को मेरे घर तक पहुँचा दोगे, तो तुम्हें दो अंडे दूँगा।"

शेखचिल्ली बोला, "सिर्फ़ दो अंडे!" सेठ ने कहा, "दो अंडों से तो इंसान की तकदीर बदल सकती है।" यह सुनते ही उसने अंडों का टोकरा सिर पर रखा और सेठ के पीछे-पीछे चलने लगा। वह मज़दूरी में मिलने वाले दो अंडों को लेकर तकदीर बदलने का सपना देखने लगा।

वह सोच रहा था, "सेठ मुझे दो अंडे देगा। अंडों से चूज़े निकलेंगे, जो बड़े होकर मुरगे या मुरगियाँ बनेंगे। मुरगियाँ और अंडे देंगीं, जिनमें से और चूज़े निकलेंगे। इस तरह मेरा एक बड़ा मुरगीघर बन जाएगा। कुछ समय बाद मैं सारी मुरगियाँ बेचकर कई भैंसें खरीद लूँगा। इस तरह जल्दी ही मेरा दूध बेचने का व्यवसाय शुरू हो जाएगा। लोग मुझसे दूध खरीदने आएँगे और मैं अमीर बन जाऊँगा।"

"इसके बाद मैं अपनी सारी भैंसें बेचकर एक हाथी खरीदूँगा। लोगों को उसकी सवारी करवाऊँगा और पैसे इकटठे कर के एक और हाथी खरीदूँगा। फिर उनके बच्चे होंगे। धीरे-धीरे मेरे पास बहुत-से हाथी हो जाएँगे। उन्हें मैं राजाओं तथा महाराजाओं को बेचूँगा और खूब सारा धन कमाऊँगा।"

शेखचिल्ली का सपना अभी भी चल रहा था। उसने सोचा, "मैं हाथी बेचकर हीरे का व्यापार करूँगा और बहुत सारा पैसा कमाकर शानदार महल बनवाऊँगा। फिर मैं शादी कर लूँगा। फिर बच्चे होंगे। वे लाड़-प्यार में मेरे सिर पर चढ़ेंगे। जब ज़्यादा तंग करेंगे, तो मैं उन्हें यूँ झटक दिया करूँगा।"

यह सोचते हुए शेखचिल्ली ने अपने सिर पर रखे टोकरे को झटके से सामने फेंक दिया। सारे अंडे टूट गए। अंडों को टूटा हुआ देखकर तो उसका कलेजा मुँह को आ गया। सेठ ने पलटकर देखा और आग बबूला होते हुए बोला, "मूर्ख! यह क्या किया? सौ रुपये के अंडे तोड़ दिए।"

शेखचिल्ली रोते हुए बोला, "अरे सेठ जी! आपके तो सौ रुपये के अंडे ही टूटे हैं, लेकिन मुझ पर

तो आसमान ही टूट पड़ा है। मेरा मुरगीघर, दुग्धशाला, महल सब खत्म हो गए। मेरे बीबी-बच्चे, लाखों की ज़ायदाद सब चली गई।"

शब्दार्थ

अम्मी — माँ, माता; **हालत** — स्थिति; **व्यवसाय** — कारोबार; **दुग्धशाला** — जहाँ दूध मिलता है; **तकदीर** — किस्मत

श्रुतलेख :

शेखचिल्ली	धंधा	ख़्याली पुलाव	इंसान	मुरगियाँ
व्यवसाय	व्यापार	मुरगीघर	दुग्धशाला	ज़ायदाद

अभ्यास

मौखिक कार्य.....

❖ **उत्तर बताओ :**

क. शेखचिल्ली किससे नहीं घबराता था?

ख. परेशान हालत में खड़े सेठ ने शेखचिल्ली से क्या कहा?

ग. बहुत-सा पैसा कमाकर शेखचिल्ली क्या करना चाहता था?

घ. शेखचिल्ली क्यों रो रहा था?

लिखित कार्य.....

1. दिए गए प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखो :

क. शेखचिल्ली की अम्मी ने उससे क्या कहा?

ख. सेठ की किस बात पर शेखचिल्ली ने टोकरा सिर पर रख लिया?

ग. शेखचिल्ली ने अंडों के बारे में क्या सोचा?

घ. सेठ शेखचिल्ली पर गुस्सा क्यों हो गया?

2. सही उत्तर के सामने ✓ चिह्न लगाओ :

क. सेठ रास्ते में क्या चीज़ पकड़कर खड़ा था?

(i) अंडों का टोकरा ☐ (ii) गोभी का थैला ☐ (iii) दूध से भरा घड़ा ☐

ख. मुरगियाँ बेचकर शेखचिल्ली क्या खरीदना चाहता था?

(i) बकरी ☐ (ii) भैंसें ☐ (iii) हाथी ☐

ग. शेखचिल्ली धन कमाकर किस चीज़ का व्यापार करना चाहता था?

(i) कपड़ों का ☐ (ii) लकड़ियों का ☐ (iii) हीरों का ☐

3. ऐसा किसने-किससे कहा?

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा
क. "लेकिन मुझे तो कोई भी काम नहीं आता।"	.....	.....
ख. "दो अंडों से तो इंसान की तकदीर बदल सकती है।"	.....	.....
ग. "मूर्ख! यह क्या किया? सौ रुपए के अंडे तोड़ दिए।"	.....	.....

4. दिए गए वाक्यांशों का सही मिलान करो :

कॉलम 'अ'	कॉलम 'आ'
क. शेखचिल्ली मस्ती में	का व्यवसाय शुरू हो जाएगा।
ख. शेखचिल्ली टोकरा सिर पर	झूमता हुआ घर से बाहर निकला।
ग. जल्दी ही मेरा दूध	लाखों की ज़ायदाद सब चली गई।
घ. मेरे तो बीबी-बच्चे,	रख सेठ के पीछे-पीछे चलने लगा।

भाषा की बात.....

❖ **पढ़ो और याद रखो :**

किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

किसी काम का होना या करना क्रिया कहलाता है।

1. अब दिए गए वाक्यों से संज्ञा और क्रिया शब्द छाँटकर लिखो :

वाक्य	संज्ञा	क्रिया
क. शेखचिल्ली सपने बहुत देखता था।	.....	.....
ख. शेखचिल्ली सेठ के पीछे-पीछे चल दिया।	.....	.....
ग. सब अंडे ज़मीन पर गिरकर टूट गए।	.....	.....
घ. मैं हाथी बेचकर धन कमाऊँगा।	.....	.....

2. दिए गए शब्दों के बहुवचन लिखो :

बेटा — ..... रास्ता — ..... अंडा — .....

टोकरा — ..... चूज़ा — ..... भैंस — .....

मुरगी — ..... लड़का — ..... बच्चा — .....

3. समान अर्थ वाले शब्दों के सामने ✓ चिह्न लगाओ :

अम्मी	>	चाची	☐	दादी	☐	माँ	☐
इंसान	>	मनुष्य	☐	मानवता	☐	लड़का	☐
मेहनत	>	भाग्य	☐	परिश्रम	☐	सफलता	☐
दुनिया	>	लोग	☐	भीड़	☐	संसार	☐

❖ **पढ़ो और याद रखो :**

भाषा को प्रभावशाली बनाने वाले वाक्यांश मुहावरे कहलाते हैं। ये अपने शाब्दिक अर्थ से अलग विशेष अर्थ देते हैं।

4. अब दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग करो :

क. ख़्याली पुलाव पकाना — .....

.....

ख. कलेजा मुँह को आना — .....

.....

ग. आग बबूला होना — .....

.....

विचार-कौशल.....

❖ **सोचकर लिखो कौन-कैसा था?**

अम्मी — .....

शेखचिल्ली — .....

सेठ — .....

रचनात्मक कार्य.....

1. **'मैंने देखा एक सपना'—शीर्षक पर अनुच्छेद लिखो।**
2. **शेखचिल्ली के कुछ अन्य मज़ेदार किस्से पढ़ो।**